



--- विक्रेता अनुचित जाति व जन जाति का सदस्य नहीं है ---

मैं कि मया राम सिंह पुत्र खुब सिंह साकिन मोजा मनोहरपुर हाकखाना

218

पाकवडा परगना व जिला मुरादाबाद का हु । जो कि आराजी काशता

मुमिधारी खाता न० १ खसरा न० ७ ८ ४ सात सौ चौरासी रुकवा ६ ४ बि

लगान नया सालाना ६ - ४० पैसे जिस कि किसम जमीन दुमट अववल व सरकित

नि० मया राम





- २ -

नमबर दो जिस कि बाजारी कीमत किसम जमीन व लगान व सरकील नमबर से

₹ ४५०० रु पये होती है बाँरे उसी पर सटामप अदा किया जाता है वा के माँजा

मनोहरपुर परगना मुरादाबाद कि जिस पर मै मुक़िर किला शराकत गैरे तनहा

मालिक का मिल का किज व दलील हु कि जो ताह्दम जुमला किसम के दइयुनात व

नि० मयाराम





- 3 -

मतावकैनात रहन वय दिवै जमानत किफा तलत कुखी व नीलाम आदि सै पाक

साफ है कोई अमर माने इनकात उस के मै नहीं है लिहाजा वहात सेहत नः स

व सवाते अकत वा दुरु सती होश हवास खमसा अपने के आराजी मजकुरा वाला को

वित्त एकज मुव० ८००० आठ हजार रु० कि आधे जिस के मुव० ४००० चार हजार रु०

नि० मयाराम





- ४ -

होते है वदस्त श्री प्रेम चन्द जेन पुत्र श्री चतर सेन जेन साकिन २९ गनेशचन्द

हेगनयू कलकत्ता ६३ हाल न्यु सिविल लाइन्स मुरादाबाद के वय कतई ओर

फ रोखत कामिल कर के जरै समन उस का तमाम व कमाव रोवरु सब रजिस्टार

साहव नकद वसुत पा कर शय मुवहया अपने कवजे व दखल मा लिकाना से निकाल

नि० मया राम





- ५ -

कर ककजे मुशतरि मोसुफ मे दे धर्येधे दी मने जुनाचे कवजा वदल अत्त मे

आ गया अब मुशतरि मोसुफ को एक हासिल है कि वह कागजात सरकारी

मे वख्तराज नाम मुकिर अपना नाम दर्ज करा ले मुकिर या वारिसान

मुकिर को कुछ उजर नहीं होगा अगर वा वावेदारी किसी शरीक या सहीम

नि० मया राम





- ६ -

या करण खवाह के शय मुवहया का जुज या कुल कवजे मुशतरि से निकल जावे

तो मुकिर वापसी जरे समन का देनदार व जिममेदार होगा लिहाजा यह

वयनामा कतई लिख दिया कि सनद हो ओर समय पर काम आवे ।

नि० मया राम





- ७ -

नोट - परत ५ कि सतर १ मै दे ओर दी कै बीच कटा है ।

नि० मयाराम

अ० नि० मयाराम ग० ट० लीराचन्द पुत्रा०

रामप्रसाद पुत्र रामचन्द्र
श्रीर विद्विगं लाइन्पा
मुरादाबाद

श्री मयाराम नि०

आर० मनीषप्रसाद
पुत्रा० मुरादाबाद

नोट - मैंने किसिम जमीन कि वाकत तहसीलदार महोदय मुरादाबाद से तसदीक कर ली
है जो सही है । ह० जगन लाल मणि

वयनामा हाजा आज कता० १२ । ६ । ७ ६ व मुकाम मुरादाबाद वमसवदे जगन लालका तिव

केतहरीर हो कर महावीर परसाद ने टाह्य किया ।

हस्ताक्षर लेखक का नाम जगन लाल
जिनुसक्ति संख्या २०० दिनांक २६-३-६३ तक विधिमानक
जिला और स्थान मुरादाबाद सी गैर फीस १०० रुपये

हस्ताक्षर लेखक का हस्ताक्षर जगन लाल मणि

महावीर परसाद

1874 - 1875 दि. 15 अक्टूबर को नगर निगम के पास
 62

1874-75

मामिलित पत्रावली हो । 1.4.00

185 2, 1 फीट का बालू
 1.5.80 1/2
 31.7.00

पट्टी नं० I जिल्ह 105/812 के अन्तर्गत
 नं० 234 पर विनांक 12-12-67
 रजिस्ट्री की गई।

9.05.00

